Padma Shri

DR. BUDHENDRA KUMAR JAIN

Dr. Budhendra Kumar Jain is an eminent ophthalmologist and a distinguished leader in the field of community eye care. With over five decades of dedicated service, he has played a pivotal role in transforming eye care accessibility for the underprivileged. He currently serves as the Director of Sadguru Netra Chikitsalaya at Shri Sadguru Seva Sangh Trust, Chitrakool, Madhya Pradesh.

2. Born on 5th December, 1948 Dr. Jain was inspired by the philanthropic vision of Saint Shri Ranchhoddasji Maharaj and joined the Trust in 1974 after completing his medical studies from Rewa and Mumbai. At the time, the institution was in its nascent stage, with limited facilities. Under his visionary leadership, a modest 12-bedded eye dispensary has evolved into one of India's largest NABH-accredited eye hospitals, equipped with Asia's most extensive and largest ophthalmic modular operation theatre complex. Today, Sadguru Netra Chikitsalaya provides high quality, affordable eye care to millions of patients from rural and underserved communities across the country.

3. Dr. Jain pioneered the concept of community outreach in eye care, introducing large-scale rural eye camps and vision centers across Madhya Pradesh and Uttar Pradesh. The hospital now conducts over 4,500 outreach camps and over 1.55 Lakh ophthalmic surgeries annually, also benefiting over two million of patients each year. So far. Dr. Jain had individually performed over 1.50 lakh eye surgeries, demonstrating his exceptional expertise and dedication to restoring vision. Under his visionary leadership and guidance, the trust has successfully performed more than 31 lakh eye surgeries and more than 2.70 crore patients have been screened and served, making a profound impact on eye care and elimination of avoidable blindness.

4. Dr. Jain has contributed extensively to ophthalmic research, with over 20 publications in national and international journals. His expertise is sought after by various ophthalmic institutions, where he serves as a mentor, guiding the development of sustainable eye care models. His efforts have also positioned Sadguru Netra Chikitsalaya as a premier training center in ophthalmology, recognized by the International Council of Ophthalmology.His commitment to eliminating preventable blindness has led to the establishment of over 130 primary eye care centers and four-advanced city clinics, ensuring accessible treatment for remote populations. His efforts have been instrumental in declaring five districts as cataract backlog-free zones.

5. Dr. Jain has been the recipient of numerous prestigious awards and honors such as 'Dhanda Award' for rendering the best community eye care services (1996), 'Firdausi Award' in 2003 and the 'Life Time Achievement Award' at Eye Advance 2004 in Mumbai, 'Best Work in Community Ophthalmology' by the Indian Alumni of the International Centre for Eye Health, London in 2005, 'K.R. Dutta Award' for Outstanding Ophthalmic Services to the Rural Community in 2010, 'Shri Dharamsey Nansey Oman Award' by Vision 2020 and the 'Dr. M.C. Nahta - Rashtreeya Netra Suraksha Puraskaar'. He is also recipient of 'Award for Outstanding Work in Prevention of Blindness' by Asia Pacific Academy of Ophthalmology APAO in 2013, 'Lifetime Achievement Award' by the Indian Society of Cornea & Kerato-refractive Surgeons, 'Prof. T.P. Lahane Orientation Award' in 2014, 'Shri S.N. Shah Award' for Vision 2020, 'Life Time Achievement Award' at the IIRIS Annual Conference, and the 'Excellence in Ophthalmology Award' in 2017, 'AIOS Life Time Achievement Award' in 2018, 24th Mahaveer Puraskar by the Bhagwan Mahaveer Foundation, Chennai and the prestigious 'Dr. Gullapalli Rao Endowment Award'. Dr. Jain was recognized as a “Living Legend in Indian Ophthalmology” by the Indian Journal of Ophthalmology in 2023, in his honor, the journal (IJO) dedicated its cover page to him and featured a guest editorial, celebrating his remarkable contributions to the field of Indian ophthalmology.

डॉ. बुधेन्द्र कुमार जैन

डॉ. बुधेन्द्र कुमार जैन एक प्रख्यात नेत्र रोग विशेषज्ञ और सामुदायिक नेत्र देखभाल के क्षेत्र में एक प्रतिष्ठित व्यक्ति हैं। पांच दशकों से अधिक की समर्पित सेवा के साथ, उन्होंने वंचितों के लिए नेत्र देखभाल की पहुंच को आसान बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वह वर्तमान में मध्य प्रदेश के चित्रकूट में श्री सद्गुरु सेवा संघ ट्रस्ट में सद्गुरु नेत्र चिकित्सालय के निदेशक के रूप में कार्य कर रहे हैं।

2. 5 दिसंबर, 1948 को जन्मे, डॉ. जैन, संत श्री रणछोड़दासजी महाराज के परोपकारी दृष्टिकोण से प्रेरित हुए और रीवा तथा मुंबई से अपनी मेडिकल की पढ़ाई पूरी करने के बाद 1974 में ट्रस्ट में शामिल हुए। उस समय, संस्थान सीमित सुविधाओं के साथ अपने प्रारंभिक चरण में था। उनके दूरदर्शी नेतृत्व में, 12–बेड वाला एक मामूली नेत्र औषधालय एशिया के सबसे व्यापक और सबसे बड़े नेत्र मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर परिसर के साथ भारत के सबसे बड़े एनएबीएच–मान्यता प्राप्त नेत्र अस्पतालों में से एक बन गया है। आज, सद्गुरु नेत्र चिकित्सालय देश भर के ग्रामीण और वंचित समुदायों के लाखों रोगियों को उच्च गुणवत्ता वाली, सस्ती नेत्र देखभाल प्रदान करता है।

3. डॉ. जैन ने नेत्र देखभाल में सामुदायिक पहुंच की अवधारणा का बीड़ा उठाया और मध्य प्रदेश तथा उत्तर प्रदेश में बड़े पैमाने पर ग्रामीण नेत्र शिविर और दृष्टि केंद्र शुरू किए। अस्पताल अब सालाना 4,500 से अधिक आउटरीच शिविर और 1.55 लाख से अधिक नेत्र शल्य चिकित्सा आयोजित करता है, जिससे हर साल दो मिलियन से अधिक रोगियों को लाभ मिलता है। अब तक, डॉ. जैन ने व्यक्तिगत रूप से 1.50 लाख से अधिक नेत्र शल्य चिकित्सा की है, जो दृष्टि वापस लाने में उनकी असाधारण विशेषज्ञता और समर्पण को दर्शाता है। उनके दूरदर्शी नेतृत्व और मार्गदर्शन में, ट्रस्ट ने सफलतापूर्वक 31 लाख से अधिक नेत्र शल्य चिकित्सा की है और 2.70 करोड़ से अधिक रोगियों की जांच और सेवा की है, जिससे आंखों की देखभाल और परिहार्य अंधेपन को दूर करने की दिशा में पहल पर सकारात्मक गहन प्रभाव पड़ा है।

4. डॉ. जैन ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में 20 से अधिक प्रकाशनों के साथ नेत्र संबंधी अनुसंधान में व्यापक योगदान दिया है। उनकी विशेषज्ञता की मांग विभिन्न नेत्र चिकित्सा संस्थानों द्वारा की जाती है, जहाँ वे स्थायी नेत्र देखभाल मॉडल के विकास का मार्गदर्शन करते हुए एक संरक्षक के रूप में कार्य कर रहे हैं। उनके प्रयासों ने सद्गुरु नेत्र चिकित्सालय को नेत्र विज्ञान में एक प्रमुख प्रशिक्षण केंद्र के रूप में भी स्थापित किया है, जिसे अंतर्राष्ट्रीय नेत्र विज्ञान परिषद द्वारा मान्यता प्राप्त है। रोकथाम योग्य अंधेपन को खत्म करने के लिए उनकी प्रतिबद्धता के फलस्वरूप 130 से अधिक प्राथमिक नेत्र देखभाल केंद्रों और चार उन्नत सिटी क्लीनिकों की स्थापना हुई है, जिससे दूरदराज की आबादी के लिए सुलभ उपचार सुनिश्चित हुआ है। उनके प्रयासों ने पांच जिलों को मोतियाबिंद बैकलॉग–मुक्त क्षेत्र घोषित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

5. डॉ. जैन को कई प्रतिष्ठित पुरस्कार और सम्मान प्राप्त हुए हैं जैसे कि सर्वोत्तम सामुदायिक नेत्र देखभाल सेवाएं प्रदान करने के लिए 'ढांडा पुरस्कार' (1996), वर्ष 2003 में 'फिरदौसी पुरस्कार' और मुंबई में आई एडवांस 2004 में 'लाइफ टाइम अचीवमेंट पुरस्कार', वर्ष 2005 में लंदन के अंतर्राष्ट्रीय नेत्र स्वास्थ्य केंद्र के भारतीय पूर्व छात्रों द्वारा 'सामुदायिक नेत्र विज्ञान में सर्वोत्तम कार्य', वर्ष 2010 में अखिल भारतीय नेत्र उत्कृष्ट नेत्र चिकित्सा सेवाओं के लिए 'के.आर. दत्ता पुरस्कार', विजन 2020 द्वारा 'श्री धरमसी नैन्सी ओमान पुरस्कार' और डॉ एम सी नाहटा– राष्ट्रीय नेत्र सुरक्षा पुरस्कार', 2014 में '5वें वार्षिक स्पिरिट ऑफ ह्यूमैनिटी अवॉर्ड' और तमिलनाडु ऑप्थैल्मिक एसोसिएशन द्वारा 'कम्युनिटी ऑप्थल्मोलॉजी ओरेशन अवॉर्ड', इंडियन सोसाइटी ऑफ कॉर्निया एंड केराटो–रिफ्रैक्टिव सर्जन द्वारा 'लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड', वर्ष 2014 में 'प्रो. टी.पी. लहाने ओरिएंटेशन अवॉर्ड', विजन 2020 के लिए 'श्री एस.एन. शाह अवार्ड', आईआईआरआईएस वार्षिक सम्मेलन में 'लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड' और वर्ष 2017 'नेत्र विज्ञान में उत्कृष्टता पुरस्कार', वर्ष 2018 में 'एआईओएस लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड' और भगवान महावीर फाउंडेशन, चेन्नई द्वारा 24वां महावीर पुरस्कार और प्रतिष्ठित 'डॉ. गुल्लापल्ली राव एंडोमेंट अवार्ड' से भी सम्मानित किया गया है। डॉ. जैन को वर्ष 2023 में इंडियन जर्नल ऑफ ऑप्थल्मोलॉजी द्वारा "भारतीय नेत्र विज्ञान में एक लिविंग लीजेंड" के रूप में मान्यता दी गई है। उनके सम्मान में, जर्नल (आईजेओ) ने अपने आवरण पृष्ठ पर उन्हें स्थान दिया और अतिथि संपादकीय छापा, जिसमें भारतीय नेत्र विज्ञान के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान की सराहना की गई।